6. नवीन उत्पाद विकास के लाभ

Advantages of New Product Development

अथवा

नवीन उत्पाद विकास का महत्व

Importance of New Product Development

नवीन उत्पाद का विकास किसी भी व्यावसायिक फर्म, समाज और राष्ट्र के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण प्रकिया माना जाता है। इसके महत्व अथवा लाभ निम्नलिखित हैं:–

1. औद्योगिक स्थिरता को प्रोत्साहन (Incentive to Industrial Stability):– व्यावसायिक संस्थाओं के नवीन उत्पाद विकास कार्यकम, उत्पाद रेखाओं का विस्तार तथा संकुचन करते हैं, जिससे अर्थव्यवस्था में मांग और पूर्ति का संतुलन स्थापित होता है। रोजगार के अवसरों में कमी नहीं होने पाती है और परिणामस्वरूप आर्थिक प्रगति में स्थायित्व आता है। इसके अलावा व्यावसायिक संस्थाओं के उत्पाद विविधिकरण कार्यकम एवं उत्पाद सुधार कार्यकम औद्योगिक प्रगति को गत्यात्मकता प्रदान करते हैं।

2. ग्राहक संतोष में वृद्धि (Increase in Customer Satisfaction):– नवीन उत्पाद विकास फर्म की तकनीकी एवं विपणन क्षमताओं को बाजार मांग के साथ इस प्रकार संयोजित करता है, ताकि फर्म की उत्पाद रेखाएं विविध ग्रहक–आवश्यकताओं की पूर्ति व अधिकतम संतुष्टि प्रदान करते हुए कर सके।

नवाचार नये उत्पादों के विकास को सम्भव बनाता है तथा सरलीकरण उत्पाद रेखाओं की अनावश्यक जटिलता को दूर करके ग्राहकों के उत्पाद चयन को विवेकपूर्ण सुगमता उपलब्ध कराता है। उत्पाद सुधार एवं संवेष्टन सुधार ग्राहकों को सामाजिक प्रतिष्ठा एवं मनोवैज्ञानिक संतुष्टि प्रदान करते हैं। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि उत्पाद विकास ग्राहक संतोष में वृद्धि करता है, ग्राहको को स्थायी बनाता है और नये बाजारों का विकास करता है।

3. विकय की मात्रा में वृद्धि (Increase in amount of Sales):– नवीन उत्पाद विकास के परिणामस्वरूप उत्पाद की किस्म में सुधार होता है जिसके कारण

ग्राहक संतोष में वृद्धि होती है। ग्राहक संतोष वृद्धि के परिणामस्वरूप विक्रय की मात्रा में तीव्र गति से वृद्धि होती है।

4. फर्म के लाभों में वृद्धि (Increase in Firms's Profit):– नवीन उत्पाद विकास कार्यक्रम फर्म के लाभों में वृद्धि करते हैं क्योंकि नवाचार फर्म की निष्क्रिय क्षमता एवं नूतन औद्योगिकी के लाभों की उपलब्धि को नवउत्पादों के विकास द्वारा सम्भव बनाता है।

प्रमापीकरण से फर्म की क्षमताओं का पूर्ण सदुपयोग होता है। विशिष्टिकरण से फर्म की ख्याति बढ़ती है और सरलीकरण से फर्म के साधनों का सदुपयोग सम्भव होता है। इस प्रकार फर्म की प्रतिस्पर्द्धी स्थिति एवं लाभों की मात्रा में सुधार होता है।

5. कम्पनी की ख्याति में वृद्धि (IIncrease in Company Goodwill):– कम्पनी द्वारा नवीन उत्पाद विकास कार्यक्रम को नियमित रूप में चलाये जाने के कारण उसके उत्पाद बाजार में दिनों–दिन लोकप्रियता बढ़ती है। उत्पादों के लोकप्रिय होने से उनके निर्माता अथवा कम्पनी की ख्याति में वृद्धि होती है। कम्पनी का नाम उत्पाद के साथ जुड़ जाता है। जैसे – बाटा शू, टाटा टी इत्यादि।

6. उत्पाद जीवन चक्र में वृद्धि (Increase in Product Life Cycle):– नवीन उत्पाद विकास से उत्पाद के जीवन–चक्र में वृद्धि होती है। उत्पाद अपेक्षाकृत अधिक अवधि तक चलता है।

7. प्रतिस्पर्द्धियों से सामना (Facing Competition):– नवीन उत्पाद विकास से उत्पाद की किस्म में सुधार होता है जिसके परिणामस्वरूप उसकी प्रतिस्पर्द्धा करने की क्षमता में वृद्धि होती है।

8. बाजार का विस्तार (Expansion of Market):– नवीन उत्पाद का विकास होने से उसके बाजार का विकास होता है बाजार का क्षेत्र स्थानीय सीमाओं को पार करके राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं में प्रवेश कर लेता है।

****